No. of Printed Pages : 3

MHD-5

एम. ए. हिन्दी (एम.एच.डो.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खण्ड से* ***दो-दो*** *प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। शेष* ***एक*** *प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड–क

1. रसनिष्पत्ति की परिभाषा निरूपित करते हुए, शंकुक के अनुमितिवाद एवं भट्टनायक के भोगवाद पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

2. कुन्तक के वक्रोक्ति सूत्र की स्पष्ट व्याख्या करते हुए वक्रोक्ति के विभिन्न भेदों की समीक्षा कीजए। 20

3. ध्वनि-सिद्धांत संबंधी आचार्यमतों की व्याख्या करते हुए, ध्वनि-काव्य के भेदों की समीक्षा कीजिए। 20

4. शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए। 20

5. हिन्दी के आधुनिक विद्वानों की काव्य-प्रयोजन संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 20

खण्ड—ख

6. मैथ्यू आर्नल्ड की काव्य संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 20

7. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत की विवेचना कीजिए। 20

8. ड्राइडन की व्यावहारिक समीक्षा के सूत्र एवं तुलनात्मकता पर अपना मन्तव्य प्रस्तुत कीजिए। 20

9. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए, उसकी शक्ति और सीमाओं का निरूपण कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) आधुनिक हिन्दी साहित्य में काव्य-लक्षण

(ख) नवजागरण काल की चेतना और काव्य प्रयोजन दृष्टि

(ग) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत में वक्रोक्ति

(घ) लांजाइनस का उदात्त-विवेचन

(ङ) कविता जीवन की आलोचना है